थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ०२ वि.सं. २०८३ सावन ०२ गते शनिच्चर थारु सम्वत (२६४९) [Saturday 18 July 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

२०७६ सालसे पुनर्स्थापनाके काम रुकल

२ हजार ३७५ जाने मुक्तकमैयाक पुनर्स्थापनासे बञ्चित

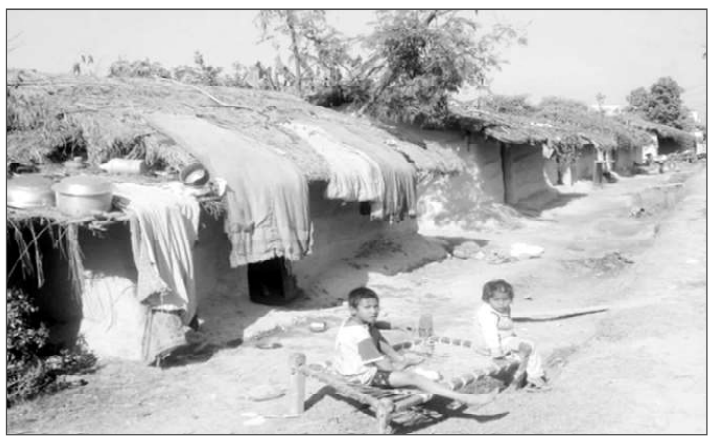

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । दासताके जन्जीरसे मुक्त हुइल मुक्तकमैयाहुकनके २६ बरस पुगल बा । यी बेलामुक्तकमैयाहुक्रे रहरंगी कैके २६औं मुक्ती दिवस मनैना बेला २ हजार ३ सय ७५ मुक्तकमैयाके जिन्गीमे अभिन खुशी नैआइसेकल हो ।

मुक्त कमैया रहल जिल्लामे अभिन २ हजार ३ सय ७५ जाने अभिन पुनर्स्थापनाके असरामे बैठल बटै । मुक्त कमैया समाजके तथ्याङक अनुसार कञ्चनपुरसे दाङ जिल्लामे ओटरा मुक्त कमैया अभिन पुनर्स्थापनाके असरामे बैठल हुइट । २०५७ साल सावन २ गते कमैया मुक्ती घोषणा करल रहे ।

जौन अब्बे २६ बरस विटल मने सुदूरपश्चिम प्रदेश अभिनसम अभिनसम १ हजार ८२ जाने मुक्तकमैयाहुक्रे परिचय पाके पुनर्स्थापनासे बञ्चित रहल मुक्तकमैया समाज जनैले बा । संघीय सरकारसे पुनर्स्थापनाके जिम्मा स्थानीय सरकारहे सुम्पलपाछे २०७६ सालसे कमैया पुनर्स्थापनाके कौनोफे कार्य हुई नैसेकल हो । टमान कारणसे पुनर्स्थापनासे बञ्चित हुइल नेपालके दुई हजारसे ढेर मुक्त कमैया अभिन पुनर्स्थापनाके पर्खाइमे बटै । तत्कालीन सरकारसे २०५७ साउन २ गते कमैया मुक्तिके घोषणाकरके पुनर्स्थापनाके काम आघे बहाइल रहे । तत्कालीन संघीय सरकारसे पुनर्स्थापनाके रकमसहित स्थानीय तहहे पुनर्स्थापनाके दायित्व हस्तान्तरण करलपाछे मुक्त कमैयाके पुनर्स्थापनाके कार्यमे 'ब्रेक' लागल मुक्त कमैया समाजके केन्द्रीय अध्यक्ष पशुपति चौधरी बटैलै । "उ बेला संघीय सरकारसे स्थानीय तहमे आर्थिक वषी मसान्तमे पैसा पठाइल रहे । स्थानीय तहसे काम करे नैसेकल", उहाँ कहलै,"दुसर आर्थिक वर्ष लग्लेसेफे संघीय सरकारसे सक्कु काम हुसेकल कहिके पुनर्स्थापनाके कार्य बन्द करल ।"

समाजके केन्द्रीय अध्यक्ष चौधरीके अनुसार कैलाली जिल्लामे ९ हजार ७६२ मुक्तकमैया रहलमे ८ हजार ९७५ जनहनहे परिचयपत्र देहलमे मने जग्गा पाइल मुक्तकमैयाभर ८ हजार २२ जाने केल रहल बटै । ओस्टेक कञ्चनपुरमे ४ हजार ५०६ जाने मुक्तकमैया रहलमे ४ हजार ४१८ जनहनहे परिचयपत्र डेहल बा, ओम्नेसे जग्गा पाइल मुक्तकमैया ४ हजार २८९ केल रहल बटै । चार सय मुक्तकमैयाहे आकाशे कित्ता, १७३ जनहनके मुक्तकमैयाके तथ्याङकसे हटाइल बटै । कलेसे कैलालीमे ९५३ ओ कञ्चनपुरमे १२९ जाने, दाङमे ४८ जाने पुर्स्थापना बाँकी बटै । बर्दियामे सबसे ढेर १२ सय ४५ जाने मुक्तकमैया पुनर्स्थापनासे वञ्चित केन्द्रीय अध्यक्ष बटैलै ।

मुक्तकमैया अभियन्ता बल्लु चौधरी पुनर्स्थापनाके नाउँमे जग्गा नैरहल ठाउँक लालपुर्जा, व्यक्तिके नम्बरी जग्गाके लालपुर्जा, लडिया, खोला रहल ठाउँमे टमान मुक्तकमैयाहुकन जग्गा डेगिल बटैलै ।

कैलाली, कञ्चनपुर, बर्दिया, बाँके ओ दाङ करके पाँच जिल्लामे कुल ३२ हजार ५ सय ९ जाने मुक्तकमैयाके तथ्याङक संकलन करल रहे । जेम्ने जग्गा पाई पर्ना संख्या २७ हजार ५ सय ७० कहलमे जग्गा पाइल संख्या २५ हजार १ सय ९५ केल्ह रहल उहाँ जनैलै ।

ओसिन समस्या सट्टा भर्ना कैना संख्या ६ सय ६१ रहल बा । परिचय बदर हुइल संख्या १७३, जग्गा नइपाइल ४६३, परिचयपत्रसे वञ्चित १ हजार ७८ जाने करके कुल २ हजार ३ सय ७५ जाने पुनर्स्थापना हुइना बाँकी बटै ।

ओस्टेक करके पाँच जिल्लामे मुक्तकमलरीके संख्या १२ हजार ७६९ जाने रहलमे ४ हजार ९३४ जाने परिचयपत्र पैले बटै कलेसे अभिनसम ७ हजार ८ सय ३५ जाने परिचयपत्र पैनासे बञ्चित रहल बटै । छुट मुक्तकमलरी ३ हजार २९६ ओ अध्ययनरत रहल १२ सय ७४ जाने रहल बटै ।

मुक्त कमैया तथा कमलरीहुकनके माग

नेपाल सरकार ओ कम्लहरी प्रथा उन्मुलनके लाग संयुक्त सघर्ष समिति बीच हुइल १० बुंदे सम्झौता कार्यान्वयन करेपर्ना, नेपाल सरकारसे तयार करल मुक्त कम्लहरीके लाग शिक्षा निर्देशिका, २०६८ समयानुकुल परिमार्जन करके तत्काल कार्यान्वयन करेपर्ना, मुक्त कमलहरीके लाग वितरण कैना छात्रवृतिमे समयानुकुल परिमार्जन करके कार्यान्वयनके *(बाँकी २ पेजमे)*

मुख्यमन्त्री शाह लावा समीकरणके कसरतमे

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी नेकपा (एमाले) से सरकारहे डेहल समर्थन फिर्ता लेहलपाछे अल्पमतमे परल मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह लावा समीकरणके कसरतमे जुटल बटै ।

आपन नेतृत्वके सरकार बचाइक लाग उहाँ नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) सँग लावा समीकरण कैना कसरत करटी रहल हुइट । सरकारहे साथ डेहक लाग मुख्यमन्त्री दुई चरणमे नेकपासँग छलफल कैसेक्लेसे फेन सहमति भर जुटे नैसेकल हो । नेकपासे सरकारके नेतृत्व आपन पार्टीसे कैना सहित बजेट पुनर्लेखनलगायत कुछ विषय आघे सारलपाछे सहमति जुटे नैसेकल बटाइल बा ।

नीति तथा योजना आयोगके सदस्यसमेत रहल कांग्रेस नेता नृप सुनार कहलै, "नेकपाके अपने अडान बा । नेकपाके संयोजक पुष्पकमल दाहाल 'प्रचण्ड' मुलुकबाहर रहल ओरसे कौनो बातके टुङ्गो लागल नैहो ।"

सत्तामे रहीके बजेट पारित कैना साथ नैडेहलपाछे मुख्यमन्त्री शाह सत्ता साझेदार दल नेकपा (एमाले) के मन्त्रीनहे बर्खास्त करल रहिट । आपन मन्त्रीनके बर्खास्तीपाछे एमाले सरकारहे डेहल समर्थन फिर्ता लेसेकल बा । एमाले साथ छोरलपाछे शाह नेतृत्वके सरकार अल्पमतमे परल बा । नेपाली कांग्रेसके १८ जाने प्रदेश सभा सदस्य बटै । जौन मध्ये एक प्रदेश सभा सदस्य प्रकाशबहादुर देउवा करिब एक बरससे अमेरिका रहल बटै ।

अल्पमतमे परल मुख्यमन्त्री शाह नेकपाके साथ खोज्टी रहल बटै । सभामुखसहित २२ प्रदेश सभा सदस्य रहल नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी सभामे सबसे बरवार दल हो । बरवार दलके हैसियतसे नेकपा भर आब आपन पार्टी नेतृत्व करे पर्ना निष्कर्षमे पुगल बा ।

उ पार्टीके बिफेक रोज बैठल संसदीय दलके बैठकसे शाह नेतृत्वके सरकार कामचलाउ होसेकल ओरसे बरवार दलके हैसियतसे नेकपाले नेतृत्वके लाग कांग्रेस, एमाले डुनु दलसँग छलफल चलैना निर्णय करल नेकपाके उपनेता मानबहादुर धामी जानकारी डेलै । उहाँ नियमित बजेटसे फेन कामचलाउ सरकारहे तत्काल औरे विकल्पके लाग अनुरोध कैना निर्णय हुइल उल्लेख करलै ।

भागल चार सय त्रिसट्ठी कैदी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । जेनजी आन्दोलनके क्रममे गत भदौमे कैलाली कारागारसे फरार हुइल ४६३ कैदीह पक्राउ करल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालयसे शुकके रोज गैल आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के कार्यके प्रगति विवरण सार्वजनिक करटी भागल मध्ये ४६३ कैदीहे पक्राउ कैना सफल हुइल जनाइल हो ।

आन्दोलनके क्रममे कारागारसे एक जाने बाहेक ६६६ कैदीबन्दी भागल रहिट । भागल मध्ये २०३ जाने अभिन पक्राउ कैना बाँकी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रमुख प्रहरी उपरीक्षक नरेन्द्र चन्द जानकारी डेलै ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालयसे एक वर्षमे एक हजार ९३० अपराधके घटना दर्ता करल रहे । जौनमध्ये ५७१ जघन्य अपराधके घटना रहल जनाइल बा । कर्तव्य ज्यानके १७ ठो, हातहतियार सम्बन्धी छ ठो मुद्दा दर्ता हुइल चन्द जानकारी डेलै । प्रहरी वर्षभर एक हजार ९५० जनहनहे पक्राउ करके मुद्दा चलाइल रहे । ३१८ जाने अभिन फरार रहल जनाइल बा । गम्भीर प्रकृतिके १५१ मुद्दामध्ये ५५ ठो मुद्दा फछर्योट करल जनाइल बा ।

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

दुई वर्षके उपचारपाछे अस्पतालसे लौटली बन्दना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । डडेल्धुरा जिल्लाके बन्दना लिम्बु करिब दुई वर्षके निरन्तर उपचारपश्चात् बिफेके रोज निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.से घर लौटल बटी ।

वि.सं. २०८१ साल सावन ३१ गते घर लग्गेक सडकमे साइकल सिख्ना क्रममे अचानक गिरके उहाँ गम्भीर घाहिल हुइल रहिट । दुर्घटनापाछे बेहोस अवस्थामे उहाहे प्रारम्भिक उपचारके लग डडेल्धुरा अस्पताल लैगिल रहे । थप विशेषज्ञ उपचार आवश्यक डेखलपाछे उहे दिन एम्बुलेन्समार्फत निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि., धनगढीमे रिफर करके भर्ना करल रहे ।

अस्पतालमे भर्ना हुइल दोसर दिन अर्थात् २०८१ साल सावन ३२ गते उहाँके पहिल शल्यक्रिया सम्पन्न करल रहे । उपचारके क्रममे बिरामीके स्वास्थ्य अवस्थाअनुसार हालसम २ ठो मेजर ओ माइनर शल्यक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न करल बटै । इहे अवधिमे विशेषज्ञ चिकित्सकहुकनके प्रत्यक्ष निगरानीमे निरन्तर उपचार, सघन नर्सिङ सेवा, फिजियोथेरापी ओ पुनःस्थापना सेवामार्फत उपचारहे निरन्तरता डेखल रहे ।

उपचारके निरन्तरता, चिकित्सकीय व्यवस्थापन ओ पुनःस्थापना सेवाके प्रभावके उल्लेखनीय सुधार आइल बा । २०८३ साल असार ३२ गते सम आइपुगल उहाँसे अस्पतालमे वर्ष १९ महिना दिन उपचाररत कारण बन्दना लिम्बुके स्वास्थ्य अवस्थामे रहटी अपन स्वास्थ्य पुनर्स्थापनाको लम्बा यात्रा पूरा करल बा । लम्बा अवधिके उपचारके क्रममे उल्लेखनीय आर्थिक व्ययभार सिर्जना हुइलेसेफे बिरामीके पारिवारिक ओ आर्थिक अवस्थाहे दृष्टिगत करके उपचारपश्चात बाँकी रहल ३१ लाख ५७ हजार रुपयाँ बराबरके उपचार खर्च निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि. से पूर्ण रुपमे मिनाहा (छुट) कैना निर्णय करल बा ।

अस्पतालसे इहे निर्णयहे उदारताके प्रदर्शनके रूपमे नैहुइल स्वास्थ्य सेवाके मानवीय दायित्व, सामाजिक उत्तरदायित्व ओ सेवामूलक प्रतिबद्धताके अभिव्यक्तिके रूपमे लेहल बा । ओस्टेक करके, अस्पतालसे घर लौटल पाछे दैनिक जीवनयापन ओ आवतजावतहे सहज बनैना अस्पतालके ओरसे एक थान आरामदायी ह्विवलचेयर समेत सहयोगस्वरूप हस्तान्तरण करल बा ।

इहे अवसरमे निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि. उपचार प्रक्रियामे प्रत्यक्ष ओ अप्रत्यक्ष रूपमे योगदान पुगुइया सक्कु विशेषज्ञ चिकित्सक, नर्स, स्वास्थ्यकर्मी, सहयोगदाता, शुभेच्छुक, सञ्चारकर्मी ओ उपचार अवधिभर साथ, सहयोग ओ सद्भाव प्रदान करुइया सक्कु व्यक्ति एवं संस्थाप्रति हार्दिक आभार व्यक्त करटी बा ।

निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि. भविष्यमेफे गुणस्तरीय, विशेषज्ञ ओ मानवीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान कैना अपन प्रतिबद्धताप्रति दृढ रहटी समाजप्रतिके उत्तरदायित्वहे निरन्तर आत्मसात् करटी आघे बहैना विश्वास व्यक्त करटी बा ।

२०७६ सालसे...

व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा । मुक्त कमैया ओ कम्लहरीके एकिन तथ्यांक संकलन करके परिचयपत्रके ब्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

ओस्टेक करके नेपाल सरकारसे गठन हुइना टमान आयोग, समिति तथा राज्यके हरेक संरचनामे मुक्त कमैया, कमलहरीहुकनके अर्थपुर्ण सहभागिता कराई पर्ना ।

नेपाल सरकारसे निर्माण करल पुनःस्थापनाके प्याकेज कार्यान्वयन करेबेर मुक्त कमैयाहुकनके सहभागिता ओ स्वामित्व हुइना करके परिमार्जन ओ कार्यान्वयन करेपर्ना ।

हरेक मुक्त कमैया तथा कमलरीके लाग एक घर एक रोजगारीके व्यवस्था करेपर्ना । मुक्त कमैयाके छावाछाई ओ कमलहरीहुकनहे उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर) सम ओ प्राविधिक शिक्षा निःशुल्क करके योग्यता अनुसार रोजगारीके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा । मुक्त कम्लहरीके लाग निर्माण करल छात्राबास समय अनुकुल परिमार्जन करके मुक्त कमलहरीके लाग सीपमुलक तालिम ओ आर्थिक सहयोगके व्यवस्था करेपर्ना, नेपाल सरकारसे मुक्त घोषणा करल मुक्त कमैयाके बालबालिका, कमलहरीहुकनके लाग निशुल्क शिक्षाके ब्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

दासप्रथाके अवशेषमे रूपमे रहल हलिया, कमैया, कमलहरी प्रथाके विरुद्ध ओइने करल तत् समयके न्यायपूर्ण आन्दोलन पश्चात २०५७ श्रावण २ गते कमैया मुक्तिके घोषणा, २०६५ साल भाद्र २१ गते हलिया मुक्तिके घोषणा, २०७० श्रावण ३ गते कमलहरीके मुक्तिके घोषणा, २०७९ श्रावण २ गते हरूवाचरूवा मुक्तिके घोषणा हुइल रहे ।

राजदेव चौधरीके नेतृत्वमे १९ जाने कमैयाहे लेके कमैया मुक्त हुई पर्ना कहिके आन्दोलन गेटासे सुरू हुइल रहे ।

तत्कालीन गाविस अध्यक्ष सन्तबहादुर कार्की अपन वडामे कमैया मुक्त हुइल घोषणा करल पश्चात जिल्ला प्रशासनके प्रङ्गनमे धर्ना सुरू हुके तत्कालीन प्रधानमन्त्री शेरबहादुर देउवासे २०५७ सावन २ गते कमैया मुक्त हुइल घोषणा करल रहिट ।

२०५८ सालमे कमैया निशेध ऐन जारी हुके २०५९ ओ २०६० सालमे कमैयाके लगत लेहल रहे ।

कमैया प्रथा इतिहास, पुनर्स्थापनाके प्रयास ओ वर्तमान अवस्था

नेपालके लुम्बिनी प्रदेशके दाङ, बाँके ओ बर्दिया जिल्ला सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलाली ओ कञ्चनपुरमे कमैया प्रथा प्रचलनमे रहे । अब्बेफे प्रथाके अवशेष जीवित बा । कमैया कना शब्द जमिन तथा खेतीपातीसंग सम्बन्धित बा । उ बेला कमैया कहलेसे जमिनमे कडा परिश्रम कैना व्यक्तिके रुपमे बुझजाइठ । जमिनदारके जग्गाके एक कोनुवामे बनाइल झुपडी (बुका)मे बैठटी जमिनदारके खेतमे काम करटी आइल गरिब, निमुखा, सोझा ओ इमानदार थारु जातिके मनै नम्मा समयसे कमैया कहटी अइलै । सोझा, इमानदार ओ चेतनाके कमीसे चरम शोषणके कारण थारु जातिके मनै टाठावाठाहुकनके अतिक्रमणमे परके जग्गाविहिन अवस्थामे अपन परिवारके लालनपालन तथा गुजाराके लाग उहे टाठावाठाहुकनके ढेर जग्गा रहल जमिनदारके जग्गा कमाडेना सपरिवार कमैयाके रुपमे काम करे लग्लै।

जमिनदारके घरमे काम करलवापत कमैयाहुकनहे वर्षभरके लागि न्युनतम ज्याला तोकल रहे। उहे ज्यालाके रुपमे धान, गोहु मसुरी डेना प्रचलन रहे । ओसिक डेहल न्युनतम ज्यालासे कमैयाहकनके आधारभुत आवश्यकता पुर्ती कैना मुस्किल हुए । जेकर कारण ओइने जमिनदारसे घर खर्च, कपडा, चाडवाड, पाहुनाके स्वागत सत्कार आदीके लाग थप रकम सम्पति लेना बाध्य हुइट । थप सम्पति डेहल वापत जमिनदारसे ऋणके ब्याज, स्याज करके वर्ष भरके ऋणके दोब्बर तेब्बर बनैना करिट। कमैया सपरिवार वर्षभर काम करलेसेफ ऋण घट्नाके सट्टा बह्टी जाए। प्रत्येक वर्ष माघ २ गतेसे माघ मसान्तसम कमैयाहुकनके खोज्नीबोज्नी अर्थात वर्षभरके लेनदेन हिसाब तथा मालिक छोरेबेर कैना प्रकृया करजाए ।

कमैयासे साहुहे तिरे पर्ना रकम वा ऋण रकमहे सौकी कहिजाए । कमैयाहुक्रे मालिकके घरसे नयाँ मालिकके घरमे कमैया बैठे जाके नयाँ मालिकसे पुरान मालिकहे टिरे पर्ना सौकी तिरके लैजाइट ओ पुनः सौकीमे व्याजस्याज जोरटी दोब्बर तेब्बर बनाजाए। कमैयाहुक्रे जमिनदारके घरमे जटरा परिश्रम करलेसेफे ओइनके लेहल ऋण घट्नाके सट्टा वर्षैपिच्छे दोब्बर तेब्बर बनाजाए । यैसिक कमैयाहुक्रे आपन जिवनभर सौकी तिरे नैसेकिट । जेकर कारण कमैयाके गोसिनीया, छावा छाईहे उमेर अनुसार काम ओ पद निर्धारण करजाए । घरमुलीहे कमैया, गोसिनीयाहे बुकही, छाईहे कम्लहरी, छावाहे भैसवार, गैवार छेग्रहुवाके रुपमे वर्ष भरर बिना ज्याला काम करे परे । यैसिक सपरिवार जमिनदारकहाँ कमैया बैठना अमानविय कुप्रथा बैठै गैल । जमिनदारहसक्रे अपन ऋण चुक्ता कैना कमैया तथा घर/परिवारके कौनोफे सदस्यहे दुसर जमिनदारकहाँ बेचविखन कैना कार्य समेत थालनी हुइल । सौकीवाला कमैयासे आजिवन तथा पुस्तौपुस्ता बधुँवा मजदुरके रुपमे काम करेपर्ना बाध्यात्मक स्थिति सिर्जना हुइल ।

कमैया मुक्तिके आन्दोलनके प्रयास ओ मुक्तीके घोषणा

राणा शासनकालमे कमैया मुक्तीके लाग टमान प्रयास ओ आन्दोलन हुइल पाजाइठ । सर्वप्रथम वि.सं. १०९९ ओर बर्दिया जिल्लामे राधाकृष्ण थारुसे भुमिहिन थारुहुकनके गोप्य भेला करके जमिन जोटुइयाके लाग कहिके आन्दोलनके सुरु कैना प्रयास करल रहे कहिके टमान प्रकाशनमे छापल पाजाइठ । यी कमैया प्रथा विरुद्ध सुरु हुइल पहिल आन्दोलन रहे । वि.सं. २००४ सालमे राधाकृष्ण थारुसे काठमाडौं पुगके प्रधानमन्त्री मोहनशमशेर राणा लगायतके टमान व्यक्तिहुकनहे भेटके सहयोग मग्लेसेफे बासुदेव प्याकुरेलके अध्यक्षतामे आयोग बनल रहे । उ आयोगसे बर्दिया जिल्लाके भुमिहिन किसानके लाग २५ हजार बिघा जमिन पञ्जिकरण हुइल रहे ।

वि.सं. २००७ सालमे कृषकहुक्रे उब्जनीके ३ भागके १ भाग पाई परठ कना माग राखदपाछे ओइने जमिनदारसे निर्मम तरिकासे पिटुवा पाइल रहिट । हलिया ओ कमैया प्रथा अन्त्यके लाग लरटी आइल भीमदत्त पन्तहे विंस. २०११ सालमे झुण्ड्याके हत्या करल रहे । यी मेरिक टमान आन्दोलनसे नेपालमे प्रजातन्त्र प्राप्ती पश्चात राष्ट्रिय राजनितिमे समेत भारी प्रभाव पारल । आन्दोलन उठाइल विषयहे लेके वि.सं. २०१५ सालमे हुइल प्रथम आमनिर्वाचनमे घर पोटुइयाके जग्गा जोटुइया कना नारा डेके नेपाली कंग्रेस विजयी हुइल रहे ।

वि.सं. २०२१ सालमे भुमिसुधार ऐन जारी करल हुइलेसेफे यी ऐनसे कमैया तथा भुमिहिनके पक्षसेफे जमिनदारके हितमे रहे । भुमिसुधार ऐन अपनहुकनके पक्षमे नैआइल कहटी भुमिहिन तथा थारु कमैयासे आन्दोलन करलै। ओइनके माग सम्बोधन हुइनाके सट्टा जमिनदारहुकनके दवावमे सरकारसे थारु तथा कमैया उप्पर दमन करल । मने टमान समयमे कमैया मुक्तिके आन्दोलन चल्टी गैल । वि.सं २०४५ सालमे सिल्टा थारुके नेतृत्वमे कमैया मुक्तिके आन्दोलन चरकलेसेफे तत्कालिन निरङ्कुश पञ्चायती प्रशासन ओ जमिनदारसे यी आन्दोलन डबैलै। वि.सं. २०५० सालमे बाँधा श्रम प्रणाली उन्मुलन ऐन २०५०, बनाके सांसदहुकनसंग छलफल समेत हुइल ओ विद्यमान बाँधा श्रम प्रणाली उन्मुलन कैना प्रयोजनके लाग नगरपालिकाहे कानुन बनैना निर्देशन सहितके परमादेश जारी करके पाउँ कहिके सर्वोच्च अदालनमे रिट दायर हुइल रहे । वि.सं.२०५२ सालमे कमैया सक्ति मञ्च गठन करल रहे कलेसे २०५३ सालमे कमैया सरोकार समुह गठन करके कमैयाके क्षेत्रमे टमान अभियान सञ्चालन करल रहे ।

यिहे क्रममे एन्टी स्लेभरी इन्टरनेशनल इन्सेकके संयुक्त पहलमे नेपालमे कार्यरत कृषि श्रमिकके अवस्थाबारे दुसर एक अध्ययन करके फोर्स टु प्वलो नामक पुस्तक सन् १९१७ मे प्रकाशन करल रहे । यैसिक स्वयम् कमैया, गैरसरकारी संघसंस्था इन्सेक, जिफन्ट, ब्याकवार्ड सोसाइटी बेस, पत्रकार ओ नागरिक समाजहुकनके प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुपमे समाजमे जर गारके बैठल कमैया प्रथाके अन्त्य कैना कमैया आन्दोलनमे सहयोग करल रहे । कमैया आन्दोलन सशक्त हुइल अवस्थामे राजनितिक दलफे कमैया आन्दोलनहे सहयोग कैना बाध्य हुइलै । वि.संस २०५७ जेठ १ गते कैलालीके साविक गेटा गाविसके कार्यालयमे पुर्वमन्त्री शिवराज पन्तके बन्धकीसे छुटकारा पैना १९ जाने बँधुवा मजदुरसे निवेदन दर्ता करलै । यी कदम कमैया प्रथा अन्त्यके निम्ति एक मेरिक सशक्त प्रयास रहे । विस्तारे यी अमानविय प्रथा विरुद्ध निवेदन डेना, धर्ना तथा विरोध प्रदर्शन कैना, सरकारहे दवाव डेना कमैयाहुकनके संघर्ष समिति गठन करलै । स्थानीयसे केन्द्र सरकारसम नम्मा समयके संघर्ष पश्चात सन् २००० मे कमैया आन्दोलनकारीहुक्रे संसदभिटर प्रवेश कैना प्रयास समेत हुइल रहे उ उहे समयमे संसद भिटर विपक्षी दलके राजनितिक दलहुक्रे कमैया मुक्तिके घोषणा नैकरटसम संसद अवरुद्ध कैना चेतावनी डेहल रहिट । यैसिक आन्दोलनसे उग्ररुप लेटी गैलपाछे सरकार आजित हुके अन्ततः २०५७ सावन २ गते कमैयाहुकनहे जमिन्दार ओ जमिन्दारके ऋणसे मुक्त हुइल घोषणा कैना बाध्य हुइल । फलस्वरुप कमैया प्रथा उन्मुलनके अन्त्य हुइल ।

पुनर्स्थापनाके प्रयास

वि.सं. २०५७ सालम कमैया मुक्त घोषणा करल पश्चात २०५७ फागुन ८ गते मन्त्रीपरिषदके बैठकसे दासप्रथाके अवषेश कमैया प्रथा सदाके लाग अन्त्य हुइल रहे । उहे अनुरुप कमैया पुनर्स्थापनामे सहजताके लाग कमैया श्रम (निषेध कैना सम्बन्धी) ऐन २०५८ जारी हुइल । २०६३ कुवाँर २ गते मन्त्री परिषदके बैठकसे उहे ऐनमे टेक्के केन्द्र ओ जिल्लामे हाली समिति बनाके काम कैना निर्णय करल। केन्द्रीयस्तरमे मुक्त कमैया पुनर्स्थापना अनुगमन समिति ओ जिल्ला स्तरमे मुक्तकमैया पुनर्स्थापना अनुगमन समिति गठन करके पुनर्स्थापनाके कार्यक्रम आघे बह्राइल रहे । मने राजनितिक दल ओ कर्मचारीहुकनके टमान स्वार्थके कारण यी आयोग ओ समितिसे प्रभावकारी भुमिका निर्वाह करे नैसेकल कारण कमैया पुनर्स्थापनाके कार्य अलपत्र अवस्थामे छोरल ओरसे अब्बेसम्म पुर्ण रुपमे न्यायिक पुनर्स्थापना हुई सेकल नैहो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलालीमे ९ हजार ७ सय ६२ जाने, कञ्चनपुरमे ४ हजार ५ सय छ जाने ओ लुम्बिनी प्रदेशके दाङमे १ हजार ४ सय २६ जाने, बाँकेमे २ हजार ३ सय १६ जाने ओ बर्दियामे १४ हजार ४ सय ९९ जाने कमैयाहुकनहे ०५७ सावन २ गते मुक्त घोषणा करल रहे । कैलाली जिल्लामे लाल परिचय पत्र ३ हजार ७ सय ५८, निला परिचय पत्र ५ हजार २ सय १७, हरदयार परिचय पत्र १ सय ८९ ओ उज्जर परिचय पत्र ५ सय ९८ जाने पैले रहिट। भुमिसुधार कार्यालय, कैलालीके तथ्याङ्क अनुसार ९ हजार ७ सय ६२ जाने मुक्त कमैयाहे पुनर्स्थापना करेपर्ना हो मने ९ हजार ३ सय ८२ जाने मुक्त कमैयाहुकनहे टमान स्थानके विवादित जग्गा, बैठना योग्य नैहुइल जग्गा, लडिया किनार, लडिया कटान, डुवान क्षेत्र, ऐलानी प्रति जग्गा, जंगल एरिया जैसिन ठाउँमे ५ धुरसे ५ कठ्ठाके दरसे जग्गा वितरण करल रहे । मने ऐलानीप्रति जग्गा समेत डेहे नैसेक्के २ लाख रुप्याके जग्गा खरिद करके वितरण करल पाइल बा । ओइनके आधारभुत आवश्यकता पानी, विजुली, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, यातायात लगायतके सेवा सुविधामे ध्यान नैडेके पुनर्स्थापना करल पाजाइठ । पुनर्स्थापना कैना आघे सरकारसे जटरा प्रयास करेपर्ना हो उ हुइल नैडेखजाइठ । सरकारसे कमैया पुनर्स्थापनामे कमीकमजोरी करल डेखाजाइठ जेकर कारण कमैया मुक्ति हुइल नम्मा समयसमफे ३ सय ८० जाने कमैयाहुकनहे पुनर्स्थापना करे सेकल नैहो ।

मुक्त कमैयाहे पुनर्स्थापना करेबेर प्रतिपरिवार ५ कठ्ठा जग्गा, घर निर्माण कैना ३५ क्युफिट काठ ओ १० हजार रुप्या डेना घोषणा करल रहे मने हालसम सक्कु मुक्त कमैया सरकारसे घोषित यी सुविधा पाई नैसेकल हुइट । जेकर कारण कमैयाहुक्रे सामान्य प्रकृतिके घर समेत निर्माण करे सेकल नैहुइट । सरकारसे घोषणा करल पुनर्स्थापनाके कार्यक्रमसे अपन समस्या समाधान नैहुइलपाछे उचित पुनर्स्थापनाके

मैनामोती चौधरी

माग करटी आन्दोलन करलै ओ २०७२ भदौ २ गते बैठल मन्त्रीपरिषदके निर्णयसे १० हजारके सट्टा ५५ हजार रुप्या ओ ३५ क्युपिट काठके सट्टा १ लाख रुप्या डेना ओ पुनर्स्थापना हुइना बाँकी रहल कमैयाहे २ लाख रुप्याके दरले जटरा जग्गा खरिद करे सेक्जाइठ उ उपलब्ध करैना निर्णय करल रहे। मने उ निर्णय नम्मा समयसे कार्यान्वयन हुई सेकल ओ कमैयाहुकनके समस्या अभिन ज्युँका त्युँ बटै ।

वर्तमान अवस्था

कैलाली जिल्लामे ३ सय ८० जाने मुक्त कमैयासे जग्गा पाई सेकल नैहुइट । ४ सय ३४ मुक्त कमैयाहे विवादित जग्गाके पुर्जा वितरण करल कारण ओइने उ जग्गा भोगचलन करे सेकल नैहुइट । रारकारके तथ्याङ्कमे पुनर्स्थापना करल कहल उ जग्गाके सट्टाभर्ना समेत पाइल नैहइट । सरकारसे कमैया मुक्तिके घोषणा करल दुई दशकसे ढेर हुसेकल बा ओ ओइनके अवस्था दयनिय बन्टी गैल बा । पुनर्स्थापना करल कहल मुक्त कमैयाफे टमान सेवा सुविधासे वञ्चित हुइटी आइल बटै। सरकारसे पुनर्स्थापना करल मुक्त कमैया बस्तीमे स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात, खानेपानी जैसिन पुर्वाधारक सेवासुविधा डेहे सेकल नैहो । जेकर कारण मुक्त कमैयाहुक्रे राज्यके हरेक सेवासुविधासे वञ्चित हुई परल अवस्थ बा । जिल्लामे अभिनफे हजारौ छुट कमैया अलपत्र रहल अवस्थामे राज्यके संरचना परिवर्तन हुईबेर कमैयाहुकनके सवाल तथा मुद्दा पुर्णरुपमे ओझेलमे परल बा । अभिनफे कमैयाहुक्रे वन अतिक्रमणाकारीके आरोप खेप्टी अइटी रहल बटै ।

राज्यके सक्कु सेवा सुविधासे बञ्चित मुक्त कमैया अशिक्षा, बेरोजगारीसे चरम आर्थिक अभावमे जीवन विटैना बाध्य हुइल बटै। भौतिक सेवा सुविधा नैहुके दैनिक ज्यालादारीके कामफे पैना समस्या बा। बजारसे दुरके कमैयाहुकनहे सरकारसे डेहल ५ कठ्ठा जग्गामे खाई नैपुगठ ज्यालादारी कैना ठाउँ नैहई जेकर कारण कमैयाहुक्रे फे उहे जमिनदारके जग्गा कम ज्याला अर्थात अधियाँमे जमिन जोत्न बाध्य हुइल बटै । नेपाल संघीय संरचनामे गैलेसेफे संघ सरकारसे कमैया पुनर्स्थापनाके जिम्मा प्रदेश ओ स्थानीय सरकारहे डेहल रहे । मने प्रदेश ओ स्थानीय सरकार गठन हुइल दुई कार्याकालसम प्रदेश ओ स्थानीय सरकार कमैया पुनर्स्थापनाके लाग कौनो कार्यविधि वा कानुन बनाइल नैडेखजाइठ । प्रदेश ओ स्थानीय सरकार गठन हुइलेसेफे कमैया पुनर्स्थापनाके कार्य पुर्णरुपमे रोकल अवस्था बा ।

शिक्षाके अवस्था

कमैया श्रम निषेध ऐन २०५८ मे कमैयाके बालबालिकाहे निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करैना कहल बा । मने उ व्यवस्था सरकारसे अभिन लागु करे सेकल हो । कमैयाके बालबालिकाहुक्रे ढेर जैसिन पहे नैजैठै जउइयाफे शुल्क तिरके पहना बाध्य बटै । चरम आर्थिक अभावमे जीवन *(बाँकी ३ पेजमे)*

साहित्यिक फूलरिया

गजल

✍ आशिका चौधरी

टोहाँर याद मनमे बसल रहे।
दिन रात अँखिया रसट रहे।

चाँद जैसिन चेहरा टोहाँर लागे,
डेखटि इ दिलवा हँसट रहे।

डुर हुइलो का हुइल सजना,
मैयाँ मनमे हरपल ढरकट रहे।

टोहाँर बिना जीवन सुनसान लागे,
हर सपना अढुराहस खस्कट रहे।

हावा संग याद टोहाँर बहट रहे,
मने मन मोर हरदम टरपट रहे।

कैलाली

गजल

✍ निर्मल चौधरी

नारी हुके नारीनके इज्जत कर्ना सिखो।
सक्कु जाने एकजुट हुके लर्ना सिखो।

एकतामे जो सबसे बरवार तागत रहठ,
हाँठमे हाँठ मिलाके आघे सर्ना सिखो।

रुपरंग सुग्घुर हुइलेसे किल कुछ निहुइ,
पहिले घरअंगना घोटैलसे बहर्ना सिखो।

सडा एक्केनास रबो टो सबजाने हेप्ठैं,
समय अनुसार फुल्ना ओ झर्ना सिखो।

कबसम चिपचाप अत्याचार सहटी रबो,
परल बेला सक्हुन मिल्के सपर्ना सिखो।

कैलाली

गजल

✍ विक्रम विरहल

कबुकाल जिन्गी खण्डहर जैसिन लागट।
सुखल पटिया आउर खर जैसिन लागट।

आपन ड्यासक मनैन जन्टाहस निकरैठ,
डाबाबा होकफें महि टुवर जैसिन लागट।

डाडु अब्बहँसे हौसियारसे न्यागस कठ,
डैटुरनके खराब लजर जैसिन लागट।

ढ्यार बरस रहिक उहिनसे भ्याँट हुइल,
इ ढकढिउरम आगी बर जैसिन लागट।

डाइबाबक उपरफे हाँठग्वारा चलैठ यहाँ,
कलजुगम मनैनफें पट्ठर जैसिन लागट।

बर्दिया

गजल

✍ मिथलेश सोनौंकुसुम्याँ

नाटपाँट डुर हुइटी बाट लघ बनैहो कठुँ।
अपन सँस्कार सबके मनम सजैहो कठुँ।

बिरान हुइटी बा गाउँघर आझकाल फुर,
टरटिहुवार लस्कटा स्यावा लगैहो कठुँ।

एक्ठो ग्यार एक्ठो बार हुइना लस्कर बा,
छोटिमोटि हमार थारु खिस्सा बटैहो कठुँ।

जबाना फरक हुइटी ब न्यागँना डग्रफें,
सजना मैनासे मनहे रसपान उठैहो कठुँ।

ढल्टी जाइटा दिन डुपहर विकास नैहोक,
सक्हुनके टुटल आस भरोसा बसैहो कठुँ।

बाँके

साप्ताहिक बाल स्तम्भ

आयन कुश्मी कक्षा : २ बाल्मिकी इन्टरनेशनल स्कुल, धनगढी

आयुषा आग्री कक्षा : ३ सिद्धार्थ विद्या निकेतन स्कुल, धनगढी

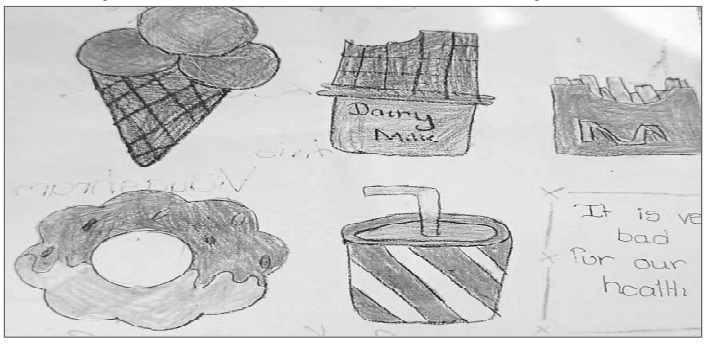

प्रत्युषा चौधरी कक्षा : ५ एक्सिस विद्याश्रम धनगढी

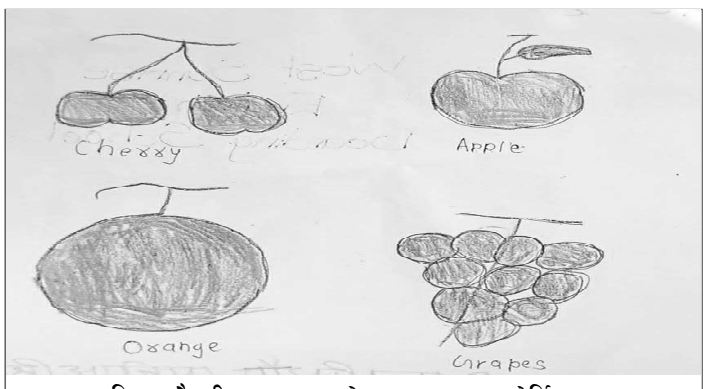

आलिया चौधरी कक्षा : २ वेस्ट सनराइज इ बोर्डिङ स्कुल

कमैया प्रथा...

विटैटी रहल कमैयाके बालबालिका शुल्क तिरे नैसेक्के विचमे पढाई छोरके मजदुरी कैना बाध्य बटै। ओइने मजदुरीके लाग नेपालके शहरबजार ओ भारतके टमान ठाँउमे जोखिमपुर्ण काम करटी रहल भेटजइठै।

सरकारसे आधारभुत तहसम अनिवार्य निशुल्क घोषणा करलेसेफे व्यवहारमे लागु नैहुइलपाछे कमैयाके बालबालिका शिक्षासे बञ्चित हुई परल बा। स्थानीय सरकारफे कमैयाके बालबालिकाक लाग कौनो स्पष्ट कानुन वा कार्यविधि नैबनाइल कमैयाके बालबालिका शिक्षासे बञ्चित हुई परल बा। नेपालके संविधानके भाग ३ मे मौलिक हकके धारा ३१ के उपधारा–२ मे उच्च शिक्षासम निशुल्क कहल बा। स्थानीय सरकासे अपन लोकप्रियताके लाग हरेक आर्थिक वर्षके नीति तथा कार्यक्रममे कमैयाके बालबालिकाहे निशुल्क शिक्षा ओ छात्रवृत्ति कहिके वजेट समेत विनियोजन करटी आइल बा।

मने फे कार्यान्वयन कैना ओ अनुगमन कैना निकायके कमीकमजोरीके कारण गरिब, निमुखा, सीमान्तकृत समुदाय ओ ओम्ने कमैयाके बालबालिका शिक्षा प्राप्त करे पैना अधिकारसे वञ्चित हुई परल बा।

स्वास्थ्यके अवस्था

नेपाल सरकारसे टमानस्तरके स्वास्थ्य संस्थामे ९० मेरिक औषधी निशुल्क वितरण कैना व्यवस्था मिलाइल बा। मन फे स्वास्थ्य संस्थामे प्रर्याप्त ओ सक्कु खाले औषधी उपलब्ध नैहुके गरिब, निमुखा, विपन्न, सीमान्कृत, कमैया समुदाय निशुल्क स्वास्थ्य उपचारसे वञ्चित हुई परल बा।

सरकारके स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रम प्रभावकारी नैहुके स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रममे पहुँच पुगे सेकल नैहो। मुक्त कमैया ओइनके परिवारमे जेष्ठ नागरिक, दिर्घरोगी, गर्भवती ओ सुत्केरी महिला तथा बालबालिका स्वास्थ्य सेवा पैनासे वञ्चित हुइल ओरसे टमान स्वास्थ्य समस्याके सामना कैना विवश बटै।

गम्भीर रोग लग्लेसे कमैयाहुक्रे महँगामे उपचार करैना बाध्य बटै की अकालमे मृत्यु वरण करे परल अवस्था बा। मने सरकारसे अइनहे केन्द्रीत करके विशेष स्वास्थ्य कार्यक्रम सञ्चालन करल नैडेखजाइड।

रोजगारीके अवस्था

कमैया मुक्त घोषणा करल दुई दशकसे ढेर समय हुइलेसेफे सरकारसे कमैयाहुकनके योग्यता ओ क्षमताके आधारमे कही कौनो रोजगारीके व्यवस्था करल नैडेखजाइड। चरम आर्थिक समस्याके कारण उच्च शिक्षासम पढ्हे नैसेकल कमैयाके परिवारहे जिविकोर्पाजनके लाग सरकारसे कौनो पहल हुइल नैडेखजाइठ। जिल्ला भुमिसुधार कार्यालयसे ४ हजार ४ सय ५० जाने कमैयाहे स्वारोजगारके लाग सीपमुलक तालिम डेलेसेफे पुर्जीं अभाव ओ अर्धदक्षताके कारण प्रभावकारी डेखल नैडेखल। सरकारसे कमैयाहे डेहल ५ धुरसे ५ कठ्ठा जग्गाफे अस्थाई लालपुर्जाके कारण बैकिङ्क कारोवार करे सेक्ना अवस्था नैहो। जेकर कारण मजदुरीके लाग नेपालके शहरबजार ओ भारतके टमान ठाँउमे जोखिमपुर्ण काम कैना बाध्य बटै।

कमैयाहुक्रे जटरा मेहनत ओ पसिना बगाके काम करलेसेफे उचित पारिश्रमिक पाई सेकल नैहो। न टे समयमे ज्याला पाई सेकल हुइट। जिहीसे कमैयाके परिवार अब्बेफे आर्थिक अभाव ओ टमान समस्याके सामना कैना बाध्य हुइल बटै।

कानुनी प्रावधान

कमैया श्रम (निषेध कैना सम्बन्धी) ऐन– २०५८, मुक्त हलिया, कमैया, कम्लहरीके सम्बन्धमे व्यवस्थापना कैना बनल विधेयक – २०७८, ओ प्रत्येक स्थानीय तहसे कार्यविधि निमांण करके मुक्त हलिया, कमैया, कम्लहरीहुकनके पुनर्स्थापना करेपर्ना कानुनी डगर खुलल हुइलसेफे स्थानीय सरकारसे कौनो चासो डेहल नैहो। जेकर कारण कमैया पुनर्स्थापनाके कार्य पुर्णरुपमे ठप्प रहल अवस्था बा।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा।

नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा। समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

कञ्चनपुरमे जापनिज इन्सेफ्लाइटिसके जोखिम कायमे

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, १ सावन । चार बरससे जापनिज इन्सेफ्लाइटिस पुष्टि हुइल बिरामी नैडेखल कञ्चनपुरमे गैल बरस इ रोगसँग मिल्दोजुल्दो लक्षण हुइल सात जाने बिरामी भेटल रहिट। ओकरपाछे स्वास्थ्य कार्यालयसे समुदायस्तरमे निगरानी ओ जनचेतनामूलक कार्यक्रमहे तीव्र बनैले बा।

लक्षण डेखगैल सात जाने मध्ये कुछ स्थानीयवासी ओ कुछ रोजगारीके सिलसिलामे भारतसे फर्कल रहिट। सबके लक्षणके आधारमे उपचार करल रहे। लम्मा समयपाछे ओइसीन बिरामी डेखजैना जिल्लामे जापनिज इन्सेफ्लाइटिसके जोखिम आउर कायम रहल स्वास्थ्यकर्मीके निष्कर्ष रहल बा। यद्यपि, इ बरस हालसम जिल्लामे जापनिज इन्सेफ्लाइटिसके बिरामी भेटल नैहुइट।

स्वास्थ्य कार्यालय कञ्चनपुरके औलो निरीक्षक सिद्धराज भट्टके अनुसार विगत चार बरससे जिल्लामे जापनिज इन्सेफ्लाइटिसके पुष्टि हुइल बिरामी भेटल नैरहिट।

गत बरस सात जनहनमे रोगसँग मिल्दोजुल्दो लक्षण डेखलपाछे जोखिमहे मध्यनजर कैटी रोगके निगरानी ओ समुदायस्तरके सचेतना अभियानहे प्रभावकारी बनाइल उहाँ बटैलै।

उहाँके अनुसार स्वास्थ्यकर्मी तथा महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहे अभिमुखीकरण करल बा। रोगके लक्षण, सङ्क्रमणसे बच्ना उपाय तथा समयमे स्वास्थ्य संस्थामे पुगे पर्ना

विषयमे सर्वसाधारणहे जानकारी करैना कार्य आघे बहाइल बा।

जापनिज इन्सेफ्लाइटिस क्युलेक्स जातके पोथी मच्छरीनके कटाइसे सर्ना मस्तिष्कमे असर कैना गम्भीर भाइरल रोग हो।

इ मच्छर विशेष कैके धानखेत, पानी जम्ना स्थान, फोहरसे भरल नाली, दलदले क्षेत्र तथा सुवर ओ बक्टीपालन हुइना स्थानके आसपास ढेर पाजैठै। सङ्क्रमित सुवर वा जलचर चिरैंनके रगत चुससेकल मच्छर मनैनहे काटलपाछे भाइरस सरठ्। "इ रोग मनैनसे मनैनमे प्रत्यक्ष नैसरठ्", निरीक्षक भट्ट कहलै।

भट्टके अनुसार अधिकांश सङ्क्रमितमे कौनो विशेष लक्षण नैडेख फेन परठ्। सङ्क्रमण गम्भीर बनलमे उच्च जुरी अइना, असहृय कपार बठैना, उल्टी हुइना, घाँटी कडा हुइना, शरीरमे झट्का लग्ना, बेहोस हुइना, मानसिक अवस्था परिवर्तन हुइना तथा मस्तिष्कमे सुवइना समस्या डेखे सेकठ्।

विशेष कैके बालबालिका ओ वृद्धवृद्धामे यकर असर ढेर गम्भीर हुइना ओ समयमे उपचार नैपाके स्थायी अपाङ्गता वा मृत्युके जोखिमसमेत हुइना उहाँ बटैलै।

इ रोगके भाइरस नष्ट कैना विशेष औषधि हालसम उपलब्ध नैरहल ओरसे बिरामीके अवस्थाअनुसार जुरी नियन्त्रण, सास फेर्न सहयोग कैना तथा अन्य सहायक उपचार कैना उहाँ बटैलै। स्नायु प्रणालीसँग सम्बन्धित कौनो फेन असामान्य लक्षण डेखगैलेसे ढिलाइ नैकैके स्वास्थ्य संस्थामे पुगके परीक्षण करैना उहाँ आग्रह करलै।

स्वास्थ्यकर्मी प्रेम धामीके अनुसार कञ्चनपुरके कृषि प्रणाली ओ भौगोलिक अवस्था जापनिज इन्सेफ्लाइटिस सर्ना क्युलेक्स जातके मच्छरके लाग अनुकूल बा। धानखेती, वर्षायाममे पानी जम्ना क्षेत्र तथा सुवर ओ बक्टी पालन हुइना स्थानके कारण मनसुनमे मच्छरीनके सत्या बह्ना ओ सङ्क्रमणके जोखिम फेन उच्च रहना उहाँ बटैलै।

स्वास्थ्यकर्मी धामीके अनुसार रोगसे बच्ना मच्छरीनके कटाइसे बच्ना सबसे प्रभावकारी उपाय रहल बटैटी झुल प्रयोग कैना, साँझसकार पूरा शरीर छोप्ना कपडा लगाइ परठ्। ओस्टके, मच्छर भगैना औषधि प्रयोग कैना, घर आँजरपाँजर पानी जमे नैडेना, पशुचौपाया रख्ना स्थान सफा रख्ना तथा सरकारसे सञ्चालन कैना जापनिज इन्सेफ्लाइटिसविरुद्धके खोप कार्यक्रममे सहभागी हुइना आग्रह करलै।

सन् १९७१ मे जापानमे पहिलचो पहिचान करल ओरसे इ रोगके नाउँ जापनिज इन्सेफ्लाइटिस राखल हो। नेपालमे भर पहिलचो सन् १९७८ मे रूपन्देहीमे भारतसे आइल एक व्यक्तिमे सङ्क्रमण पुष्टि हुइल रहे।

हाल नेपालके २४ जिल्ला इ रोगसे प्रभावित जिल्लाके रूपमे सूचीकृत बावै कलेसे करिब ४० जिल्लामे टमान समयमे छिटपुट सङ्क्रमणके घटना सार्वजनिक हुइल बावै।

जलवायु परिवर्तन, मनसुन ओ मच्छरीनके बढ्दो प्रजननके कारण कञ्चनपुरमे जापनिज इन्सेफ्लाइटिसके जोखिम आभिन कायम रहल उल्लेख कैटी औलो निरीक्षक भट्ट जुरीसँगे कपार बठैना, बेहोस हुइना वा स्नायु प्रणालीसँग सम्बन्धित असामान्य लक्षण डेखगैलेसे तत्काल स्वास्थ्य संस्थामे पुगके परीक्षण तथा उपचार करैना आग्रह करले बटै।

सुदूरपश्चिममे फेनसे बजेट 'होलिडे'

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे फेनसे बजेट शून्यता (होलिडे) मे पुगल बा।

आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के लाग असार १ गते आर्थिक मामिला मन्त्री विक्रमसिंह धामीसे प्रस्तुत करल बजेट अन्ततः असार मसान्तसम पारित हुइ नैसेकल। अपनहे लानल बजेट सरकारसे पारित करे नैसेकलपाछे सावन १ गतेसे प्रदेश सरकारसँग खर्च कैना कानुनी आधार समाप्त हुइल बा।

सत्तारुढ दल नेकपा एमालेसे बजेट प्रस्तुत हुइटी किल बजेटप्रति असन्तुष्टि व्यक्त कैटी पुनर्लेखनके माग करल रहे। एमालेसँगके सहकार्यके डगरा बन्द हुइटी गैलपाछे मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह एमालेके चार मन्त्रीहे हटाइल रहिट।

एमाले फेन उहे दिन समर्थन फिर्ता लेहलपाछे सरकार अल्पमतमे परल हो। एमालेके समर्थन फिर्तापाछे अल्पमतमे परल सरकारसे बजेट पास कराइक लाग नेपाली कम्युनिष्ट पार्टी (नेकपा) के साथ नैखोजल नैहो, मने नेकपासे फेन अब्बेक बजेट यथास्थितिमे पारित करे नैसेकजैना बटाइलपाछे सरकारसे समयमे बजेट पारित कराइ नैसेकल।

बजेटसम्बन्धी विधेयक पारित हुइ नैसेकलपाछे सरकारसे शुखसे कौनो फेन शीर्षकमे खर्च करे पैना नैहो। यद्यपि सामयिक राजस्व संकलन ऐन, २०८१ अनुसार राजस्व संकलन ओ नियमित सेवा प्रवाह भर जारी रहना बा।

बजेट फेल हुइना निश्चित हुइलपाछे सरकारसे बजेट पारितके प्रयास नैकैके प्रदेशहे बजेट शून्यतामे पुगाइल नेकपा एमालेके आरोप रहल बा।'सरकारके अकर्मण्यताके कारण बजेट फेल हुइल बा। बजेट शून्यतामे लागके सरकार असफल होसेकल बा। आम नागरिकहे पर्ना समस्याके जिम्मेवार सरकार हो,' एमाले संसदीय दलके नेता राजेन्द्रसिंह रावल कहलै, 'बजेट फेल होके सरकार फेल होसेकल बा। आब मुख्यमन्त्री मार्गप्रशस्त करे परल।'

प्रमुख प्रतिपक्ष नेकपाके संसदीय दलके नेता खगराज भट्ट फेन साझा समस्या समाधानके लाग सरकारसे औपचारिक पहल नैहुइल बटैलै।

'उहाँहुक्नके लानल बजेट उहाँ ओइनके आन्तरिक विवादके कारण रुकल, ' भट्ट कहलै, 'पेस्की खर्चजैसिन विषयमे सहकार्य कैना हम्रे तयार रही। मने बिफेक रोज सकारे छलफलमे फेन उहाँहुक्के पुराने बजेट पारित कैडेना आग्रह करलै, जौन सम्भव नैरहे। हम्रे उ बजेट सुरुसे नै बेथितिपूर्ण कहल रही।'

सरकारके बहुमतके लाग २७ सांसद आवश्यक परी। कांग्रेससँग १८ ओ एमालेसँग ११ सांसद रहल बटै। गठबन्धन भट्कलपाछे सरकारसँग बजेट पारित करैना आवश्यक बहुमत फेन नैहो।

अइसीन बेला अध्यादेशमार्फत पेस्की बजेट लानके सरकारसे चालुओरके खर्च कैना वातावरण सिर्जना करे सेक्ना विकल्प हुइटी हुइटी फेन नैकैके खर्च कैना डगरा नै बन्द हुइल बा। बजेट फेल हुइना निश्चित हुइलपाछे बजेट शून्यता पहिलचो भर नैहो।

इहीसे आघे फेन आर्थिक बरस २०८१/८२ के बजेट समयमे पारित हुइ नैसेकके प्रदेशले करिब तीन महिना बजेट शून्यताके अवस्था बेहोरल रहे।

कृषि उत्पादनमा आत्मनिर्भर बनौं

- आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गरी कृषि उत्पादन वृद्धि गरौं,
- कृषकलाई आवश्यक मल, बीउ समयमै उपलब्ध गराऔं,
- स्थानीय उत्पादनलाई बजारसम्म पुऱ्याउन बजार संयन्त्रको विकास गरौं,
- कृषकलाई सीप, तालिम र सहुलियतपूर्ण ऋण उपलब्ध गराऔं,
- जमिनको संरक्षण गरौं, खेतीयोग्य भूमिको सदुपयोग गरौं,
- कृषि उत्पादन बढाऔं र कृषि उपजमा आत्मनिर्भर बनौं,
- नवीन प्रविधि र अवसर उपलब्ध गराई युवाहरूलाई कृषिमा आकर्षित गरौं।

कृषि पेशा प्रति सम्मान र गौरव गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- वर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु विशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं।

कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- वर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु विशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं।

भजनी नगरपालिका
४ नम्बरको कार्यालय
खैलाड, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन। २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा)। ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन)। ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा। ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा। ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा। ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा। ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा। ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग। १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९